Antarvasna
अन्तर्वासना

चुदाई यात्रा-2

“लेखिका : उषा मस्तानी 5 मिनट में बबलू ने मेरी फाड़ कर रख दी थी, मैंने 2 बार पानी छोड़ दिया था। इसके बाद वो हट गया। मेरी चूत फट गई थी और दर्द कर रही थी, मैं सीधी टांगें फ़ैला कर लेट गई। भाभी अपनी चूत चौड़ी करके जमीन पर पड़ी हुई थीं, बबलू […] ...”

Story By: उषा मस्तानी (mastaniusha)
Posted: Wednesday, August 4th, 2010
Categories: कोई मिल गया
Online version: चुदाई यात्रा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चुदाई यात्रा-2

लेखिका : उषा मस्तानी

5 मिनट में बबलू ने मेरी फाड़ कर रख दी थी, मैंने 2 बार पानी छोड़ दिया था। इसके बाद वो हट गया। मेरी चूत फट गई थी और दर्द कर रही थी, मैं सीधी टांगें फ़ैला कर लेट गई। भाभी अपनी चूत चौड़ी करके जमीन पर पड़ी हुई थीं, बबलू ने कुछ धक्के उनकी चूत में मारे और उसके बाद दोबारा मेरी चूत में लंड पेल दिया, बोला- अपना वीर्य तो तुम्हारी चूत में ही डालूँगा।

मेरी चूत में 2-3 धक्कों बाद बबलू का पूरा वीर्य मेरी चूत में भर गया। मेरे पूरे गर्भ में वीर्य की बाढ़ आ गई। अगर मैंने गोली नहीं खाई होती तो पक्का गर्भ से हो गई होती।

इसके बाद हम दोनों उससे चिपक गए और 15 मिनट तक चिपके रहे। लंड बबलू का बड़ा और मोटा था लेकिन उसने मुझे आनन्द बहुत दिया। उसने मुझे वास्तव मैं प्यार से चोदा था।

कुछ देर बाद अमित बाहर से खाना लेकर आ गया हम लोगों ने खाना खाया। रात का एक बज रहा था। हम लोग लखनऊ के लिए चल दिए।

दो बजे हम भाभी के फ्लैट मैं थे, जाते ही सब लोग सो गए मैं और भाभी साथ साथ सोई।

सुबह 6 बजे अलार्म से सब लोग उठे।

मैं बोली- भाभी अब पेपर देने का मन नहीं कर रहा, अब तो बस लंडों से खेलने का मन कर रहा है, सुबह से ही चुल उठ रही है, बबलू की याद आ रही है, रात चुदने में मज़ा आ गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभी बोली- तुझे और लंड मस्ती चाहिए तो कुछ और करें ?

मैंने कहा- कुछ और क्या ?

भाभी ने धीरे से कहा- मेरे पति के यार सतीश लखनऊ में हैं, मस्त चोदते हैं, मेरी उनसे अच्छी यारी है, मैं पहले भी 3-4 बार उनसे चूत और गांड मरवा चुकी हूँ। तू हाँ करे तो रात को तुझे उनके लंड का का मज़ा और दिला दूँ। अमित और उनके लंड साथ साथ मुँह चूत, और गांड में डलवाना, दो-दो लंडों से खेलने में बड़ा मज़ा आएगा।

मैंने कहा- अमित ऐसा करेगा ?

भाभी हँसते हुए बोलीं- अमित बहुत हरामी है, उसको मैंने कई लड़कियों की चूत दिलाई है, बहुत बड़ा चोदू है। एक बार तो उसने अपने दो दोस्तों के साथ मेरी चोदी थी, तीन तीन लंड एक साथ मेरे मुँह, चूत और गांड में घुस गए थे। और तू कौन सी उसकी सगी भाभी है। उसकी सगी चाची, जब चाचा के साथ शादी के बाद आई थीं तो चाची की चोदने को उतावला हो रहा था, मैंने चाचा के रहते उसे चाची की चूत छुपकर चालाकी से दिलवा दी थी, बात चूत चुदाई की हुई थी लेकिन कुत्ते ने गांड मारे बिना चाची को नहीं छोड़ा। बस तुझे हाँ करनी है, तेरी हाँ के बिना मैं तुझे दूसरे आदमी से नहीं चुदवाऊँगी।

तभी अमित आ गया, भाभी बोलीं- अभी 7 बज रहे हैं, जाने से पहले सोच कर बता देना।

भाभी की बातों से मेरे मन में एक तूफ़ान सा आ गया था, दो-दो लंड एक साथ घुसने की सोच कर ही चूत फड़कने लगी लेकिन एक डर भी लग रहा था। आखिर जीत भाभी की हुई। जाने से पहले मैंने उनको हाँ बोल दिया। अमित मुझे परीक्षा भवन में छोड़ आया।

वहाँ मैं पूरे समय यही सोचती रही कि दो दो लंडों से चुदूँगी तो कैसा लगेगा। सोच सोच कर चूत गीली हो रही थी। वाकई यह तो मेरी हसीन चुदाई यात्रा थी, रोज़ नई नई तरह के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सेक्स का आनन्द मिल रहा था। परीक्षा भवन में 45 साल के मास्टरजी ड्यूटी दे रहे थे, मेरा मन कर रहा था कि मास्टर जी से भी चुदवा लूँ। रंडी प्रवृति मेरे ऊपर हावी थी !

किसी तरह पेपर खत्म हुआ, अमित मुझे लेने आ गया। कार मैं बैठकर उसने मेरी चूचियाँ मसलीं और बोला- भाभी ने मुझे सब बता दिया है, आज रात तुम मस्त हो जाओगी। सतीश और मैं दो बार पहले भाभी और सतीश की चचेरी बहन को एक साथ चोद चुके हैं, मस्त मज़ा आता है। तुम्हारे साथ तो मज़ा आ जायेगा।

मैंने तो कभी सोचा भी नहीं था कि तुम्हारी गांड नगरी में भी एंट्री मिलेगी। सेक्सी बातें करते हुए अमित मुझे साथ लेकर भाभी के फ्लैट पर आ गया।

शाम को 6 बजे सतीश आ गया, भाभी ने सतीश से मुझको मिलवाया। सतीश ने मुझे बाँहों में भरा और धीरे से मेरे होंठ चूसते हुए बोला- आप बहुत सुंदर हैं।

हम सब लोग आधे घंटे बातें करते रहे, मैं सतीश के पास बैठी थी। नॉन-वेज बातें शुरु हो गई थीं।

भाभी बोलीं- सतीश को घोड़ी की सवारी बहुत पसंद है।

अमित बोला- सतीश संतरियों का रस पीकर घोड़ी बहुत अच्छी दौड़ाता है।

भाभी हँसते हुए बोलीं- अर्चना के पास दो संतरियाँ रखी हुई है, सतीश जी उनका जूस निकाल लो।

सतीश ने मेरे स्तनों को ऊपर से दबाते हुए कहा- आपकी संतरियाँ तो बहुत रसीली लग रही हैं।

मुझसे रहा नहीं गया, मैं बोली- पहले भाभी की पाव रोटी खा लो, पूरी मक्खन से गीली

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर रखी हुई है।

बातें करते करते हम सब गरम हो रहे थे, अमित ने भाभी के पेटीकोट में हाथ डाल दिया और बोला- रजनी भाभी की पाव रोटी तो मैं खाऊँगा।

सतीश मेरी चूत ऊपर से सहलाते हुए बोला- आपकी पाव रोटी पर मक्खन हम लगा देंगे।

भाभी बोलीं- अब तू जाकर नहा ले और अपनी पाव रोटी गर्म कर, उसके बाद मक्खन सतीश से लगवा लेना, यह अच्छा लगाता है।

सतीश मेरी पजामी के ऊपर से मेरी चूत सहला रहा था, मुझसे बोला- आओ नहाते हैं।

भाभी बोलीं- तू सतीश के साथ नहा ले, तब तक मैं और अमित बाहर घूम कर आते हैं। यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

भाभी और अमित के जाने के बाद सतीश ने मुझे बाँहों में भर कर एक बड़ा लम्बा चुम्बन मेरे होंटों पर लिया और बोला- आप बहुत अच्छी लग रही हैं।

मैं थोड़ा संकुचा रही थी, सतीश बोला- आप और हम साथ नहाते हैं, इससे हमारे आपके बीच की दूरी मिट जाएगी।

मैं राज़ी हो गई अमित ने अपने कपड़े उतार दिए थे, अब वो सिर्फ एक चड्डी में था। उसने मेरी कमर में हाथ डाला और मेरा कुरता पजामा उतरवा दिया।

अब मैं उसके सामने एक पारदर्शी ब्रा और पैंटी में थी। उसने मेरी ब्रा के ऊपर से चूचियों पर हाथ फिराते हुए कहा- आपके कबूतर बहुत सुंदर हैं, आपकी आज्ञा हो तो इन्हें आजाद कर दूँ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और उसने मेरी ब्रा का हूक खोल कर मेरे दोनों कबूतरों को आजाद कर दिया, फड़फड़ा कर दोनों कबूतर बाहर निकल आए।

सतीश ने दोनों कबूतरों की चोचें मुँह में लेकर उनको एक एक बार चूसा। मेरी चूत लसलसी होने लगी थी। हम दोनों बाथरूम में आ गए, सतीश ने शावर चला दिया और मुझे बाँहों में भर लिया, हम दोनों शावर में नहा रहे थे, हमारे बीच का अजनबीपन दूर होता जा रहा था। मेरे स्तन सतीश के सीने को छू रहे थे, वो नीचे झुका और मेरी नाभी चूसते हुए मेरी पैंटी पर आ गया। उसने अपने हाथों से मेरी पैंटी नीचे कर दी और बोला- अमृत का स्वाद तो ले लेने दो रानी !

और वो मेरी गीली चूत को चाटने लगा। मैं गर्म हो रही थी, ऊपर से ठंडे पानी ने मुझे गर्म कर दिया था, मुझे भाभी की बात सही लग रही थी। हर मर्द का मज़ा अलग होता है। मैं काम रस में नहाने लगी थी, मैंने अपने को हिला कर पैरों मैं पड़ी पैंटी अलग कर दी थी।

सतीश अब सीधा हो गया। उसने अपना अंडरवीयर उतार दिया। मेरी आँखों के सामने एक पतला लम्बा लंड खड़ा था। मेरी पीठ से चिपक कर मेरी संतरियों का मसल मसल कर रस निकाल रहा था। उसका नंगा लंड मेरी गांड से सटा हुआ था मेरी आह ऊह की आवाजें धीरे धीरे निकल रही थीं। सतीश ने मेरे चुचूक नोचते हुए पूछा- आगे से प्यार करवाना है या ऐसे ही अच्छा लग रहा है ?

मैं बोली- अब लंड डालो, बड़ी प्यास लग रही है।

मुझे सतीश ने सीधा किया, बाँहों में भर लिया और कस कर भींच लिया। अब उसका लंड मेरी चूत के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। मैं भी उससे कस कर चिपक गई थी।

उसने मुझे अपने पैरों पर खड़ा कर लिया था और मुझे ऊपर की तरफ उठा कर धीरे धीरे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हिल कर लंड मेरी चूत के होंटों में घुमा रहा था, सच में नया मज़ा था।

सतीश अब मेरा यार था। उसने मेरे होंटों पर पप्पी ली और बोला- अंदर डाल दूं मेरी जान ?

मैंने मुस्करा कर आँखें बंद कर लीं।

सतीश ने मुझे चूतड़ों से पकड़ कर थोड़ा ऊपर उठाया और एक मंझे हुए खिलाडी की तरह खड़े खड़े ही अपना लंड मेरी चूत में घुसा दिया।

गहरी आह की आवाज़ से मैंने उसका स्वागत किया। मैं सतीश के पैर के ऊपर आराम से चिपके हुए खड़ी थे और उसका लंड मेरी चूत में घुसा हुआ था। अमित के लंड से बिल्कुल अलग एक मज़ा था। पतला लंड था लेकिन जिस तरह मेरी चूत में घुसा हुआ था वो अमित के लंड से कम मज़ा नहीं दे रहा था, साथ ही साथ मुझे सतीश के साथ आज रात मिलने वाले आनन्द का अहसास करा रहा था। मुझे पता चल गया था कि औरतें एक से जयादा लंड खाने के बाद लंड की शौकीन क्यों हो जाती हैं।

सतीश ने 2-3 मिनट बाद लंड निकाल कर मुझे गोद में उठा लिया और नहाने वाले स्टूल पर बैठ कर दुबारा अपना लंड मेरी चूत में घुसा दिया। सतीश ने मेरी टांगें अपने पीठ पर बांध लीं और नीचे से मेरी चूत को लंड से पेलने लगा। उसमें अच्छी ताकत थी, बैठे बैठे ही वो मुझे अच्छी तरह चोद रहा था। उसने मुझे मस्त कर दिया था। मेरे होटों पर होंठ रखे और पूछा- रानी, मज़ा आ रहा है ? दर्द तो नहीं हो रहा ?

मैंने उसे भींच लिया और बोली- आपने तो मस्त कर दिया ! आह, बहुत अच्छा लग रहा है, और चोदो ! आहहा बड़ा मज़ा आ रहा है।

उसने मेरे होटों पर होंठ रख दिये। 5 मिनट की चुदाई के बाद उसने मुझे सीधा किया और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पीछे दीवार से टिककर मेरे को दुबारा लोड़े पर बैठा लिया मेरी गेंदें अब उसके हाथों में थीं, सामने शीशे में अपनी गेंदों की मसलाई और चुदाई देख रही थी। लौड़ा मेरी चूत चोद रहा था।

सतीश को शीशे में देखकर मैं मुस्कुराई, उसने अपना लौड़ा बाहर निकाला और बोला- शीशे में देखो लौड़ा कैसे अंदर घुसता है !

उसने दुबारा मेरी जांघें चौड़ी करके लौड़ा धीरे धीरे से मेरी चूत में घुसा दिया। शीशे में मेरी फ़ैली हुई टांगों के बीच लौड़ा घुसते देख मैं उत्तेजित हो गई थी। लौड़ा घुसने के बाद सतीश ने तेज धक्कों से मेरी चूत फाड़नी शुरू कर दी थी। मैं ऊह आह ऊह का हल्ला मचाती हुई चुदवाने लगी।

5 मिनट बाद मेरी चूत वीर्य से नहा गई। इसके बाद हम लोग 5 मिनट तक चिपक कर नहाए। नहाने के बाद मैंने सिर्फ छोटी स्कर्ट बिना पैंटी के और अमित ने नेकर पहन ली।

हम लोग कमरे में आ गए।

कहानी जारी रहेगी।

अन्तर्वासना की कहानियाँ आप मोबाइल से पढ़ना चाहें तो एम.अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ सकते हैं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

दिल्ली से मुम्बई ट्रेन में मेरा चूत चुदाई का अनुभव-2

अब तक आपने पढ़ा.. पायल आंटी मेरे साथ ट्रेन के टॉयलेट तक आ गई थीं और वे टॉयलेट में अन्दर थीं। उन्होंने अन्दर से मुझे आवाज दी। अब आगे.. पायल आंटी- अनमोल.. मैं बाहर से बोला- हाँ जी क्या हुआ […]

Full Story >>>

शादी में गर्लफ्रेंड बना कर चोद दिया

हाय फ्रेंड्स मेरा नाम सुमित है.. मैं 19 साल का हूँ। यह मेरी पहली और सच्ची स्टोरी है। यह बात तब की है जब मैं अपने 12वीं के एग्जाम के बाद अपने मामा के शादी में गया था। वहाँ मेरे […]

Full Story >>>

दिल्ली से मुम्बई ट्रेन में मेरा चूत चुदाई का अनुभव-1

एक हफ्ते पहले मैं ट्रेन से दिल्ली से मुंबई की यात्रा कर रहा था। मेरा टिकट कन्फर्म नहीं था.. इसलिए मुझे जनरल बोगी में यात्रा करना पड़ रही थी। जनरल बोगी में मुझे आराम से सीट मिल गई थी.. क्योंकि […]

Full Story >>>

खोया मोबाइल लौटाने पर चूत का उपहार

मेरा नाम अनिकेत है, मैं मुंबई का रहने वाला हूँ, मेरी उम्र 28, कद 5 फुट 8 इंच है.. और मैं एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर काम करता हूँ। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। इधर […]

Full Story >>>

गाँव की भाभी की बुर चोद कर गर्भवती किया

मैं आज आपको एक सच्ची सेक्सी घटना बताने जा रहा हूँ कि कैसे मैंने अपने गाँव की एक भाभी की बुर को चोदा और उनको गर्भवती किया। दोस्तो.. मैं राजीव कानपुर से हूँ। मैं 35 साल का अच्छे शारीरिक सौष्ठव […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Desi Kahani

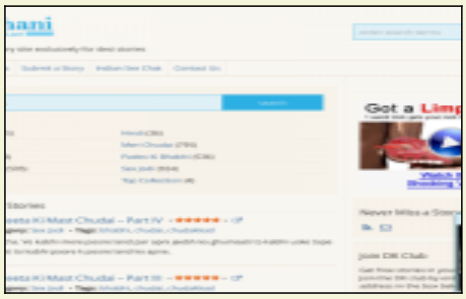

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire